हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
सामान्य प्रशासन शाखा

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की वर्ष, 2014 की द्वितीय नियमित बैठक की कार्यवाही, जो दिनांक 30 जुलाई, 2014 को दोपहर 12–00 बजे आचार्य ए0डी0एन0 वाजपेयी, कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई । बैठक में निम्नलिखित सम्माननीय सदस्य उपस्थित हुए :–

1– आचार्य राजेन्द्र सिंह चौहान
2– डॉ0 एस0बी0 शेखरी
3– डॉ0 एस0 एस0 कौशल
4– प्रो0 डी0सी0 गौतम
5– प्रो0 सतीश चन्द भढवाल
6– चौ0 वरयाम सिंह बैन्स
7– श्री बम्बर ठाकुर
8– श्री हरीश जनारथा
9– डॉ0 अनुराग शर्मा
10– प्रो0 एम0एल0 झारटा –कुलसचिव
सदस्य–सचिव

<u>मद संख्य–1 :</u> कुलपति महोदय का वक्तव्य ।

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की ***वर्ष 2014 की दूसरी नियमित बैठक*** में मैं आप सभी सम्माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत् एवं अभिनन्दन् करता हूँ। मैं नवनियुक्त प्रति-कुलपति प्रो.राजेन्द्र सिंह चौहान का विशेष रुप से स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूं।

विश्वविद्यालय द्वारा मार्च में आयोजित की गई स्नातक स्तर की *अन्तिम वर्ष की परिक्षाओं के परिणाम* घोषित किए जा चुके हैं तथा शेष परिणाम भी अतिशीघ्र घोषित कर दिए जाएंगे।

मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने यू.जी.सी-सैप-2 में भौतिक शास्त्र विभाग को रु 1.45 करोड़, गणित एवं सांख्यिकी विभाग को रु 1.07 करोड़ आबंटित किए हैं।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम, बैठकें, संगोष्ठियां और कार्यशालाऐं आयोजित की गईं:-

- दिनांक 25.06.2014 को अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षण एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र (इक्डोल) कम्प्यूटर इन्जीनियर डॉ. विकास शर्मा का आकस्मिक निधन हो गया।

- दिनांक 28.06.2014 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज में **अनुस्थापन पाठयक्रम** के समापन समारोह पर विशेष व्याख्यान दिया।

- दिनांक 30.06.2014 को सेवानिवृत हुए 13 प्राध्यापकों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया।

- दिनांक 04.07.2014 को गणित विभाग द्वारा आयोजित की गई कार्यशाला के समापन अवसर पर समारोह की अध्यक्षता की।

- दिनांक 07.07.2014 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज में सूचना प्रौद्योगिकी पर पुनःश्चर्या कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर विशेष व्याख्यान दिया।

- दिनांक 12.07.2014 को भाषा, कला एवं संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित वैदिक सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की ओर से मुख्य अतिथि के रुप में भाग लिया।

- दिनांक 14.07.2014 को अकादमिक स्टाफ कॉलेज में अनुस्थापन पाठयक्रम के शुभारम्भ अवसर पर विशेष व्याख्यान दिया।

- 15.07.2014 को अमर उजाला द्वारा **'प्रतिभा सम्मान समारोह'** में विशिष्ट अतिथि के रुप में भाग लिया।

- दिनांक 16.07.2014 को '**जलवायु परिवर्तन**' विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें विख्यात पर्यावरणविद एवं नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ.राजेन्द्र कुमार पचौरी ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ.पचौरी को डॉक्टर ऑफ साईंस (डी.एस.सी.) की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया जो मार्च 2014 में आयोजित किए गए 21वें दीक्षांत समारोह के दौरान अलंकृत की जा चुकी थी।

- दिनांक 18.07.2014 को अर्थशास्त्र विभाग एवं हिमाचल प्रदेश अर्थशात्र संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **'केन्द्रीय बजट-2014'** पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में हिमाचल प्रदेश सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव, दीपक सानन, संयुक्त निदेशक, योजना, श्री बासू सूद, चौधरी सरवण कुमार कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, डॉ.डी.आर.ठाकुर आदि ने भाग लिया।

- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के '**45वें स्थापना दिवस'** का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश एवं कुलाधिपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय ने 22 जुलाई, 2014 को प्रातः 11 बजे किया तथा माननीय मुख्य मन्त्री हिमाचल प्रदेश, श्री वीरभद्र सिंह ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इससे पूर्व प्रातः 10:30

बजे माननीय मुख्यमन्त्री जी ने लगभग 1.26 करोड़ की लागत से निर्मित अकादमिक स्टाफ कॉलेज के संकाय भवन का लोकार्पण किया जिसमें 75 लाख यू.जी.सी.द्वारा तथा शेष राशी अध्यापक कल्याण कोष से खर्च की गई है। इसके अतिरिक्त माननीय मुख्य मन्त्री जी ने लगभग 1.11 करोड़ की लागत से निर्मित पूर्व परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र के छात्रावास का भी लोकार्पण किया, जिसकी 70 प्रतिशत धनराशी केन्द्रीय विशेष योजना से प्राप्त हुई है तथा शेष 30 प्रतिशत राशी जनजातिय विकास विभाग द्वारा उपलब्ध करवाई कई है। इसी अवसर पर विश्वविद्यालय के श्रेष्ठ शिक्षक प्रो.बी.एस.मड़ एवं प्रो. गिरिजा शर्मा, श्रेष्ठ अनुसंधानकर्ता प्रो.सुवर्चा चौहान एवं श्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार श्री हरबंस कराड़ को दिया गया। स्थापना दिवस के दूसरे सत्र में '***साहित्य एवं संस्कृति की पारस्परिकता***' विषय पर स्थापना दिवस व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, सभापति, हिन्दी साहित्य विभाग ने मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत की तथा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. शशी भूषण, प्रमुख, ई.टी.वी, हिमाचल प्रदेश द्वारा की गई। इस कार्यक्रम के तृतीय सत्र में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

- दिनांक 23.07.2014 के प्रथम सत्र में '**वार्षिक पारितोषिक समारोह**' आयोजित किया गया, जिसमें शैक्षणिक क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रथम रहने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया दूसरे सत्र में एक **'कवि सम्मेलन'** का आयोजन भी किया गया। जिसकी अध्यक्षता आकाशवाणी शिमला के निदेशक श्री देवेन्द्र सिंह जोहल द्वारा की गई। इस कवि सम्मेलन में देश तथा प्रदेश के जाने माने कवियों ने भाग लिया।

- इन समारोहों के अन्तिम दिन दिनांक 24.07.2014 को **'नौकरशाही और विकास'** विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में डॉ.अश्वनी कुमार पूर्व राज्यपाल, नागालैण्ड उपस्थित हुए तथा इस संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रति-कुलपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, प्रो. राजेन्द्र सिंह चौहान द्वारा की गई। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्यवक्ताओं में श्री एस.एन.जोशी, आई.ए.एस. (सेवानिवृत), श्री एस.आर.मरडी, आई.पी.एस, ए.डी.जी.(सी.आई.डी), श्री दया शंकर शुक्ल, सम्पादक, अमर उजाला, प्रो.संजीव कुमार महाजन, आचार्य लोक प्रशासन विभाग, हि.प्र.वि.वि. ने भाग लिया।

- दिनांक 26.07.2014 को '**विश्वविद्यालय कोर्ट**' की आपातकालीन बैठक आयोजित की गई जिसमें भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के लिए डॉ. अनिल चौहान प्राचार्य, डॉ.राजेन्द्र प्रसाद राजकीय आयुर्विज्ञान महाविद्यालय टांडा को निर्वाचित किया गया।

- दिनांक 27.07.2014 को पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला द्वारा आयोजित उत्तर भारती पंजाबी अधिवेशन में विशिष्ट अतिथि के रुप में भाग लिया।

- दिनांक 28.07.2014 को विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र, इन्दिरा गांधी आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में **'विश्व हैपेटाईटिस दिवस'** के अवसर पर विश्वविद्यालय में एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी दिन एक स्वयंसेवी संस्था के सहयोग से परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अब मैं विश्वविद्यालय के कुलसचिव से आग्रह करता हूं कि आज के लिए प्रस्तावित मदों को परिषद् के सम्मुख चर्चा एवं निर्णय के लिए प्रस्तुत करें।

मद संख्या–2: कार्यकारिणी परिषद की पिछली बैठक दिनांक 24–6–2014 में लिए गये निर्णयों का पुष्टिकरण ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने पिछली बैठक दिनांक 24–6–2014 में लिए गये निर्णयों का निम्नलिखित संशोधन के साथ पुष्टिकरण किया :–

(मद संख्या–13): कार्यकारिणी परिषद् ने इस मद के अन्तर्गत लिये गये निर्णय में विश्वविद्यालय में रूसा प्रणाली के कम्प्यूट्रीकरण हेतु एक वर्ष के लिए नियुक्त श्री नवनीत सूद को मई, 2014 के कुछ दिनों किये गये कार्य का मानदेय Pro-rata आधार पर इस शर्त के साथ देने को अपनी स्वीकृति प्रदान की कि उनके द्वारा किये गये कार्य को परीक्षा नियन्त्रक सत्यापित करें । कार्यकारिणी परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि श्री नवनीत सूद को देय मानदेय यू.आई.आई.टी./कम्प्यूटर साईंस के स्वयं–पोषित निधि से इस विभाग द्वारा अपने स्तर पर तब तक देय होंगे जब तक रूसा के लिए प्रदेश सरकार से अनुदान प्राप्त नहीं होता ।

(मद संख्या–17): कार्यकारिणी परिषद् ने इस मद के अंतर्गत लिये गये निर्णय की दूसरी पंक्ति में शब्द '**अम्बेदकर**' से पहले शब्द '**डॉ**' जोड़कर कला भवन भाग–1 एवं भाग–2 का नाम **डॉ0 अम्बेदकर भवन** संशोधित करने की स्वीकृति प्रदान की ।

(मद संख्या–19): कार्यकारिणी परिषद् ने सीवरमैन के भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में किये गये संशोधन में बिन्दु –5 जो टंकित करने से छूट गया था को जोड़ने व बिन्दु–6 में अंकित प्रथम शब्द Direct को हटाकर निम्न संशोधन को स्वीकृति प्रदान की :

1.	Classification	Technical Staff
2.	Scale	As prescribed by the State Govt. and adopted by the University from time to time.
3.	Appointing Authority	Registrar
4.	Age for direct recruitment.	As prescribed by the State Govt. and adopted by the University from time to time.
5.	Method of Recruitment.	Direct recruitment on Regular Basis or on Contract basis as the case may be.
6.	Recruitment and Promotion Committee.	The Recruitment and Promotion Committee will be the same as notified by the Univerity vide notification No.3-29/76-HPU(Genl.)Vol-IV dated 1.12.2004.

(अन्य मद–III): चौ0 वरयाम सिंह बैन्स ने कार्यकारिणी परिषद् की पिछली बैठक में विश्वविद्यालय के अकादमिक स्टॉफ कॉलेज में कार्यरत श्री राकेश वर्मा, सेवादार के पुराने वेतन को संरक्षित न करने का मामला उठाया जिसका कार्यकारिणी परिषद् ने संज्ञान लेते हुये पुनः निर्णय लिया कि जब तक

श्री राकेश वर्मा के मामले का जनारथा समिति पुनः परीक्षण नहीं कर लेती तब तक इन्हें तदर्थ आधार पर मिल रहे पुराने वेतन को संरक्षित रखा जाये ।

मद संख्या–3: कार्यकारिणी परिषद की पिछली बैठक दिनांक 24–6–2014 में लिए गये निर्णयों पर की गई कार्रवाई का विवरण ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने पिछली बैठक दिनांक 24–6–2014 में लिए गये निर्णयों

को निम्नलिखित टिप्पणी/संशोधन के साथ अनुमोदित किया :

(मद संख्या–11): कार्यकारिणी परिषद् ने एम0ए0/एम0एस0सी0 भूगोल का नाम परिवर्तन कर एम0एस0सी0 भूगोल करने के मामले में गठित समिति की सिफारिशों को संलग्नक के अनुरूप अनुमोदित किया ।

(मद संख्या–12): कार्यकारिणी परिषद् ने विश्वविद्यालय में सह–आचार्यों की नियुक्ति हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित शैक्षणिक योग्यता के खण्ड 4.3.0 (iv) को यू.पी.एस.सी. के विज्ञापन के अनुरूप निम्नलिखित ढंग से व्याख्यायित किया :–

"Fulfilling any of the requirements mentioned in 4.3.0 iv will be considered sufficient for the purpose of 4.3.0.iv. Evidence of having guided Doctoral candidates and Research students will not be considered as an additional requirement, but as any other requirement indicated in 4.3.0.iv."

मद संख्या–4: कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम 12–C(7) के अन्तर्गत लिए गए निर्णय को कार्यकारिणी परिषद के समक्ष प्रस्तुत करना ।

.....

कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम 12–C(7) में निहित शक्तियों के अन्तर्गत कोई निर्णय नहीं लिया गया ।

मद संख्या–5: कार्यकारिणी परिषद के माननीय सदस्यों से यदि कोई मद प्राप्त हुई है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद के माननीय सदस्यों से निर्धारित समय के भीतर कोई मद प्राप्त नहीं हुई है ।

मद संख्या–6: शैक्षणिक परिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 17–7–2013 को अनुमोदित बी.बी.ए. में प्रवेश हेतु शैक्षणिक योग्यता सम्बन्धी संशोधन (शैक्षणिक सत्र 2014–2015) कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष अवलोकनार्थ व अनुमोदनार्थ प्रस्तुत ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने शैक्षणिक परिषद् की स्थायी समिति की दिनांक 17–7–2013 को हुई बैठक की सिफारिशों के आधार पर बी.बी.ए. में प्रवेश हेतु शैक्षणिक योग्यता में शैक्षणिक सत्र 2014–2015 से विश्वविद्यालय अध्यादेश 1.4 (वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय) में निम्नलिखित संशोधन करने के लिए अनुमोदित किया :

Ordinance 1.4	**Existing**	**Proposed**
Bachelor of Business Administration (BBA)	(a) Plus two examination under 10+2 system examination equivalent thereto of a Board/University established by Law in India with 50% marks. OR Any examination of a University/Board/College or School in Foreign Country recognized as equivalent for the above purpose by the Vice-Chancellr/Equivalance Committee of its own or on recommendations of Association of Indian Universities with 50% marks.	(a) Plus two examination under 10+2 system examination equivalent thereto of a Board/University established by Law in India with 45% marks (5% relaxation for SC/ST). OR Any examination of a University/Board/College or School in Foreign Country recognized as equivalent for the above purpose by the Vice-hancellor/Equivalance Committee of its own or on recommendations of Association of Indian Universities with 45% marks (5% relaxation for SC/ST).

मद संख्या–7: माननीय कुलपति द्वारा गठित Pension Corpus Fund को सुदृढ़ करने हेतु अधिष्ठाता अध्ययन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समिति की बैठक की कार्यवाही को विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्ताव ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने Pension Corpus Fund को सुदृढ़ करने के लिए गठित समिति की सिफारिशों को **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया ।

मद संख्या–8: कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष सुश्री सुनीता शर्मा, अधिवक्ता एवं विश्वविद्यालय कानूनी सलाहकार के त्यागपत्र को स्वीकार करने के उपरान्त मामला विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् के सूचनार्थ एवं पुष्टिकरण हेतु प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने सुश्री सुनीता शर्मा अधिवक्ता द्वारा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कानूनी सलाहकार के पद से दिए गए त्यागपत्र पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा दी गई स्वीकृति का पुष्टिकरण कर अनुमोदित किया ।

मद संख्या–9: कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष माननीय कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय परिनियम 7(1) (c) व 7(2)(c) के अंतर्गत माननीय कुलपति महोदय द्वारा अधिष्ठाता अध्ययन एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण के पद पर नियुक्तियों के अवलोकन, अनुमोदनार्थ तथा इन पदों पर स्थायी नियुक्ति हेतु प्रकरण प्रस्तुत ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने विश्वविद्यालय परिनियम 7(1) (c) व 7(2)(c) के अंतर्गत माननीय कुलपति महोदय द्वारा अधिष्ठाता अध्ययन एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण के पद पर की गई नियुक्तियों तथा वर्तमान में आचार्य टी.सी. भल्ला और आचार्य एम.एस. चौहान की क्रमशः अधिष्ठाता अध्ययन व अधिष्ठाता छात्र कल्याण की नियुक्ति का अनुमोदन किया।

मद संख्या–10: सहायक आचार्य डॉ0 मुक्ता शर्मा, भूगर्भ विज्ञान, क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र, धर्मशाला द्वारा एक वर्ष के असाधारण अवकाश (विना वेतन) के लिये किये गये निवेदन को कार्यकारिणी परिषद् के विचारार्थ रखने हेतु ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने डॉ0 मुक्ता शर्मा, भूगर्भ विज्ञान, क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र, धर्मशाला द्वारा असाधारण अवकाश (विना वेतन) के लिये किये गये निवेदन पर विस्तृत चर्चा के उपरान्त नियमों में छूट देते हुए यह निर्णय लिया कि डॉ0 मुक्ता शर्मा को असाधारण

अवकाश इस शर्त के साथ स्वीकृत किया जाता है कि यदि क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्र, धर्मशाला के भूगर्भ विज्ञान विभाग में छात्रों की संख्या कम है ।

मद संख्या–11: Implementation of new system of Accounting & Financial Reporting to ensure proper accountability, financial discipline and and transparency in end use of funds (Accrual based Accounting) in H.P. University from the financial year 2014-2015.

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने विश्वविद्यालय में लेखों की वर्तमान प्रणाली को समाप्त कर लेखों की Accrual Based Accounting System and Revision of Account Mannual मामलों की गठित समितियों की सिफारिशों को सैद्धान्तिक तौर पर **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया । परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी उपरोक्त मामले में विस्तार से परिषद् को आगामी बैठक में सारी स्थिति से अवगत करवायें ।

मद संख्या–12: डॉ0(श्रीमती) आशीमा शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य केन्द्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के वेतन सहित तीन वर्ष के अध्ययन अवकाश की समाप्ति व उनके विश्वविद्यालय में कार्यग्रहण दिनांक 25–7–2014 उपरान्त हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग में प्रतिनियुक्ति सम्बन्धी मामला कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने डॉ(श्रीमती) आशीमा शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र को 3 वर्ष के अध्ययन अवकाश के उपरान्त हिमाचल प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग में 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति देने की स्वीकृति प्रदान की ।

इसके अतिरिक्त परिषद् ने यह निर्णय भी लिया कि विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र में एक आयुर्वैदिक चिकित्सा अधिकारी कार्यरत है इसलिए विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र में फार्माशिष्टों के सृजित दो पदों में से एक पद आयुर्वैदिक फार्माशिष्ट में परिवर्तित किया जाये ।

मद संख्या–13: To place before the Executive Council the recommendations of Resource Mobilization Committee (RMC) with regard to

Examination Fee Structure and Other charges of the University(HPU).

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने संसाधन जुटाने के लिए गठित समिति की सिफारिशों को **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया ।

कार्यकारिणी परिषद् ने समिति द्वारा **संलग्नक–VII** में प्रस्तावित **विश्वविद्यालय विकास शुल्क** में संशोधन करते हुए यह निर्णय लिया कि **संलग्नक** में प्रस्तावित शिक्षण फीस का 10 प्रतिशत के स्थान पर प्रत्येक छात्र से 500/–रू0 प्रति वर्ष **और** आई. आर.डी.पी./बी.पी.एल. छात्रों से 250/– रूपये **विकास शुल्क** लिया जाये ।

.....

यथा–स्थान की गई चर्चाः

कार्यकारिणी परिषद् ने डॉ0 रणवीर सिंह वर्मा, जन सम्पर्क अधिकारी को पदोन्नति देने के मामले के परीक्षण हेतु अधिसूचना संख्याः9–11/09–हि0प्र0वि0(सा0) दिनांक 9–6–2014 द्वारा गठित समिति की दिनांक 14–7–2014 को हुई बैठक की सिफारिशों पर चर्चा के उपरान्त **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया । परिषद् ने यह भी निर्णय लिया कि पदनाम बदलने हेतु कानूनी परामर्श लेकर मामले का परीक्षण किया जाये ।

सम्माननीय सदस्य चौ0 वरयाम सिह बैन्स ने प्रदेश सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर प्राप्त हुये पत्र संख्याःEDN-A-G(10)-2/2011-Loose dated 24.6.2014 पर कड़ी आपत्ति जताई जिसका श्री हरीश जनारथा और बम्बर ठाकुर ने भी समर्थन किया।

चौ0 वरयाम द्वारा उपरोक्त पत्र पर उठाई गयी आपत्ति पर कुलसचिव महोदय ने परिषद् को अवगत करवाया कि प्रदेश सरकार ने कार्यकारिणी परिषद् द्वारा समय–समय पर लिये गये कई निर्णयों पर चर्चा के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है । इस समिति

की एक बैठक सचिवालय में आयोजित की गई और इस बैठक में विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव को भी आमंत्रित किया गया था। इस बैठक में भाग लेने के लिए उन्होंने वित्त

अधिकारी को भी साथ लिया । इस समिति द्वारा उठाये गये विभिन्न मामलों पर कुलसचिव व वित्त अधिकारी ने विश्वविद्यालय का पक्ष रखा । कार्यकारिणी परिषद् ने प्रदेश सरकार से प्राप्त उपरोक्त पत्र पर और प्रदेश सरकार द्वारा समय–समय पर विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली पर

उठाये गये सवालों पर चर्चा के उपरान्त यह निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय प्रशासन प्रदेश सरकार से प्राप्त पत्रों का परीक्षण कर सरकार को वस्तुस्थिति से अवगत करवाये, और इसका पूर्ण व्यौरा परिषद् की आगामी बैठक में रखा जाये । चौं0 वरयाम सिंह बैन्स ने यह भी कहा कि कर्मचारी शिकायत निवारण समिति (Employees Grievances Redressal Committee) की बैठक समय पर आयोजित कर कर्मचारियों की मॉगों पर चर्चा की जाये ।

माननीय सदस्य चौ0 बरयाम सिंह बैन्स ने विश्वविद्यालय स्थापना दिवस के विषय में नियमावली बनाने का आग्रह किया । जिस पर परिषद् ने निम्न समिति गठित की :

1– प्रतिकुलपति	–अध्यक्ष
2– अधिष्ठाता अध्ययन	–सदस्य
3– अधिष्ठाता छात्र कल्याण	–सदस्य
4– आचार्य ओ0पी0 चौहान	–सदस्य
5– श्री तेज राम शर्मा	–सदस्य
6– उप कुलसचिव(प्रशासन)	–संयोजक–सचिव

माननीय कुलपति महोदय ने गणतन्त्र दिवस (26 जनवरी) और स्वतन्त्रता दिवस (15 अगस्त) को विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैर–शिक्षक व छात्र समुदाय की अनुपस्थिति का मामला उठाया । जिस पर कार्यकारिणी परिषद् ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के शिक्षक, गैर–शिक्षक व छात्र समुदाय को परिपत्र द्वारा यह सूचित किया जाये कि वे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उपरोक्त समारोहों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर इनमें बढ–चढ़ कर भाग लें ।

सम्माननीय सदस्य श्री हरीश जनारथा ने कार्यकारिणी परिषद् द्वारा पूर्व में बी. ए./बी.कॉम./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष के छात्रों को श्रेणी सुधार के लिए प्रदान किये गये विशेष अवसरों का हवाला देते हुए कहा कि बी.ए./बी.कॉम../बी.एस.सी प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्रों को भी श्रेणी सुधार के लिए विशेष अवसर प्रदान किये जायें । जिस पर कार्यकारिणी परिषद् ने इस मामले का पूर्ण परीक्षण कर परिषद् को इस बारे में आगामी बैठक में अवगत करवाने का निर्णय लिया।

कार्यकारिणी परिषद् ने विश्वविद्यालय द्वारा एनवैल्प का कवर तैयार करने के लिए किये गये सराहनीय कार्य के लिए सम्माननीय सदस्य डॉ0 अनुराग शर्मा की प्रशंसा की। कार्यकारिणी परिषद् ने यह भी सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय के स्वर्ण–जयन्ती स्थापना दिवस समारोह के दौरान विश्वविद्यालय का डाक टिकट जारी हो ।

अन्त में बैठक पीठ को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई ।

(आचार्य मोहन झारटा)
कुलसचिव
सदस्य–सचिव

पुष्टिकरण

हस्ता0/–

(आचार्य ए.डी.एन. बाजपेयी)
सभापति/कुलपति